8 मुस्कान के मोती

हास्य मनुष्य को जीवन-शक्ति प्रदान करता है, उसे दीर्घायु बनाता है। हँसी क्रोध, चिन्ता और क्षोभ को भगा देती है। साथ ही वह सुख और स्वास्थ्य की चाबी है।

हमारे चारों ओर भी हास्य की विपुल सामग्री उपलब्ध है, आवश्यकता सिर्फ इस बात की है कि हम उसको पहचानना सीखें। 'मुस्कान के मोती' के रूप में यहाँ ऐसे ही कुछ चुटकुले दिए गए हैं।

चिन्टु : तुमने राजू को चाँटा क्यों मारा?
पिन्टु : 15 दिन पहले उसने मुझे हिपोपोटेमस कहा था।
चिन्टु : तो फिर 15 दिनों के बाद आज ही क्यों मारा?
पिन्टु : मैंने कल ही सरकस में हिपोपोटेमस देखा, यार!

◆

पति : अब मैं भुलक्कड़ नहीं रहूँगा। मुझे सब याद रहेगा।
पत्नी : वह कैसे?
पति : देख, मैं एक नई किताब खरीद लाया हूँ, जिसका नाम है – 'याद रखने के एक हजार तरीके'।
पत्नी : हाय राम, यह किताब तो आप दसवीं बार ले आए।

◆

भिखारी : एक रुपया दे दो, साहब!
भरत : कल आना।
भिखारी : कल आने के चक्कर में इस मुहल्ले में मेरे लाखों रुपए फँसे हैं!

◆

शिक्षक : रमेश, 50 में से कितने कम करने से 5 बचेंगे?
रमेश : गुरुजी, 0 निकाल दीजिए ।

◆

सुशील : मेरे पिताजी जब माचिस की डिबिया खरीदते हैं, तो सारी तीलियाँ गिनते हैं कि कहीं कम तो नहीं?
गीता : मेरे पिताजी माचिस की डिबिया खरीदते हैं, तो सारी तीलियाँ जलाकर देखते हैं कि कोई तीली खराब तो नहीं!

◆

सुरेश : यह टायर कैसे पंचर हो गया?

महेश : एक काँच की बोटल पर चढ़ गया था।

सुरेश : क्या तुम्हें बोटल नहीं दिखाई दी?

महेश : क्या बताऊँ यार! वह तो उस आदमी की जेब में थी, जो मेरी कार के नीचे आ गया।

◆

◆

◆

हाथी पर शीर्षासन करते मनुष्य को आपने इस चित्र में देखा। अब हाथी की बारी।

हाथी मनुष्य के सिर पर शीर्षासन करना चाहता है।

आप हाथी की इच्छा पूर्ण कीजिए और बनाइए ऐसा ही एक चित्र।

जरूरत लगे तो इस चित्र को उलटा कर आप देख सकते हैं।

◆

अभ्यास

प्रश्न 1. इकाई में दिए गए चुटकुलों को दो-दो के यूथ में अभिनय के साथ प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 2. आप सुने हुए मज़ेदार चुटकुले सुनाइए।

प्रश्न 3. उदाहरण के अनुसार एक शब्द रखकर, चुटकुला बनाइए :

उदाहरण : **शिक्षक :** 'हेतल मिठाई नहीं खाती।' इसमें हेतल क्या है?

छात्र : ....मूर्ख....

(1) **माँ :** बेटा, घर में कुत्ता कैसे आ गया?

बेटा : ....

(2) **दुकानदार :** आप कब से खड़े-खड़े चीज़ों को देख रहे हैं, आपको क्या चाहिए?

ग्राहक : ....

(3) **न्यायाधीश :** बैंक का दरवाजा तोड़ने का कारण बताओ।

चोर : ....

(4) एक भुलक्कड़ आदमी अपने इलाज के लिए अस्पताल गया और अपनी भूल जाने की बीमारी के बारे में बताया।

डॉक्टर : यह आदत आपको कब से है?

भुलक्कड़ : ....

प्रश्न 4. **'फँसोगे फिर भी हँसोगे'। निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' या 'ना' में दीजिए :**

(1) क्या तुम्हारे घरवाले जानते हैं कि तुम मूर्ख हो?

(2) क्या तुम अकेले ही पागल हो?

(3) मेरे दिए हुए पाँच सौ रुपए खर्च कर दिए?

प्रश्न 5. **क्या हमें 'हर प्रसंग और हर जगह पर हँसते रहना चाहिए?' कारण सहित बताइए।**

स्वाध्याय

प्रश्न 1. **आपके जीवन में कई प्रसंग ऐसे भी घटे होंगे, जब किसी गम्भीर या सरल बात पर आप या आप से जुड़े अन्य कोई कुछ बोले होंगे और हँसी का माहौल बन गया होगा। यही तो है चुटकुला! ऐसी बातें याद कीजिए और चुटकुले के रूप में लिखिए।**

प्रश्न 2. **भाषा की एक खूबी है – अनेकार्थी शब्द। अनेकार्थी शब्द के विभिन्न अर्थों का उपयोग कर चुटकुला बना सकते हैं। उदाहरण अनुसार चुटकुला बनाइए।**

उदाहरण : शिक्षक : लंका को सोने की लंका क्यों कहते हैं?

छात्र : क्योंकि वहाँ कुम्भकर्ण जैसे सोनेवाले लोग रहते थे।

सोना – धातु (संज्ञा)

सोना – निद्रावस्था (क्रिया)

(1) बस (2) उत्तर (3) कर

प्रश्न 3. **उदाहरण अनुसार चुटकुलों की पूर्ति कीजिए :**

उदाहरण : **मालिक** : तू बहुत बड़ा गधा है।

नौकर : ऐसा कहकर मुझे शरमिन्दा न करें मालिक, बड़े तो आप हैं।

(1) पतली गली में दो आदमी आमने-सामने आ गए।

पहला आदमी : हटो बीच में से, मैं किसी गधे को रास्ता नहीं देता।

दूसरा आदमी : (रास्ते से हटते हुए) पर मैं तो ....।

(2) (न्यायालय में दो वकील)

पहला वकील : तू गधा है।

दूसरा वकील : तू तो बड़ा गधा है।

पहला वकील : तू बहुत बड़ा गधा है।

न्यायाधीश : ओर्डर, ओर्डर! आपको ध्यान रखना चाहिए कि मैं भी ....।

(3) **लड़का :** मैं आपकी बेटी से शादी करना चाहता हूँ।

लड़की का पिता : मैं नहीं चाहता कि मेरी बेटी किसी गधे के साथ रहे।

लड़का : जी, मैं भी यही चाहता हूँ, इसलिए तो ....।

(4) **योगेश :** इस गधे को लेकर कहाँ जा रहा है?

रमेश : देखता नहीं। मेरे साथ गधा नहीं कुत्ता है।

योगेश : यार तू चुप कर। मैं कुत्ते से ही ....।

(5) (सामने से गधे आते देखकर)

पति : देखो, तुम्हारे रिश्तेदार आ रहे हैं।

पत्नी : जी हाँ, रिश्तेदार तो हैं ही, पर हुए तो आपसे शादी ....।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कहानी पढ़कर, उनमें से अलग-अलग सात शब्द चुनकर उसे शब्दकोश के क्रम में रखिए :

एक कुत्ते ने एक खरगोश को देख लिया। शिकार के लिए उसके पीछे दौड़ा। खरगोश भी अपने प्राण बचाने के लिए तेजी से भागा। कुत्ता बराबर उसका पीछा करता रहा। अंत में उसकी साँस फूल गई। थक-हारकर उसने खरगोश का पीछा करना छोड़ दिया।

तभी एक चरवाहे ने उसकी ओर देखकर ताना कसा – ''एक छोटे-से खरगोश ने दौड़ में तुम्हें पछाड़ दिया।''

कुत्ते ने तपाक से जवाब दिया – ''महाशय! मैं अपने पेट के लिए दौड़ रहा था, वह अपने प्राणों के लिए दौड़ रहा था।''

सचमुच, जीत के कई कारण होते हैं।

योग्यता विस्तार

- **निम्नलिखित हास्य-कविता का पठन कीजिए :**

इतिहास की परीक्षा

मैंने लिखा पानीपत का, दूसरा युद्ध था सावन में
जापान जर्मनी बीच हुआ, अट्ठारह सौ सत्तावन में।

लिख दिया महात्मा बुद्ध महात्मा गांधी जी के चेले थे
गांधीजी के संग बचपन में वे आँख-मिचौली खेले थे।

राणा प्रताप ने गौरी को, केवल दस बार हराया था
अकबर ने हिंद महासागर, अमरीका से मंगवाया था।

महमूद गजनवी उठते ही, दो घंटे रोज नाचता था
औरंगजेब रंग में आकर, औरों की जेब काटता था।

इस तरह अनेको भावों से, फूटे भीतर के फव्वारे
जो–जो सवाल थे याद नहीं, वे ही पर्चे पर लिख मारे

हो गया परीक्षक पागल सा, मेरी कॉपी को देख देख
बोला इन सब छात्रों में, बस होनहार है यही एक

औरों के पर्चे फेंक दिये, मेरे सब उत्तर छांट लिये
ज़ीरो नंबर दे कर बाकी के सारे नंबर काट लिये।

– **ओमप्रकाश 'आदित्य'**

- महापुरुषों के जीवन से जुड़े हास्य विनोद के प्रसंगों की किताबें पढ़िए।
- टी.वी. पर प्रसारित हास्य संबंधित कार्यक्रम देखिए एवं हास्यप्रसंग, चुटकुले, हास्य कविता कक्षा में सुनाइए।
- चुटकुले, हास्य–व्यंग्य कविताएँ और हास्य–व्यंग्य चित्रों का संकलन कीजिए।

◆